

卐 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ 卐

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

कन्या राशिफल 2027

मुफ़्त वार्षिक मार्गदर्शिका

कन्या चंद्र राशि

गुरु, शनि, राहु–केतु · महीनेवार · ग्रहण

iastroguru.com/hi

IASTROGURU

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना
बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच

2027 में किन बातों पर ध्यान दें?

कन्या चंद्र राशि के लिए 2027 की शुरुआत में गुरु बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) और शनि सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) में हैं। इन विषयों पर ध्यान दें और नीचे के गोचर बदलावों के साथ अपनी योजना की समीक्षा करें।

2027 के प्रमुख गोचर

हर अवधि का आरंभ शामिल है और अंत अगली अवधि का आरंभ है। वक्री गति से उसी राशि में वापसी अलग दिखाई गई है। सभी समय भारतीय मानक समय में।

> गुरु: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें।
>
> 1 जन॰ 2027, 00:00 → 25 जन॰ 2027, 01:31

> गुरु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद।
>
> 25 जन॰ 2027, 01:31 → 26 जून 2027, 05:19

> गुरु: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें।
>
> 26 जून 2027, 05:19 → 26 नव॰ 2027, 18:44

> गुरु: पहले भाव (आपके शरीर, स्वभाव और दुनिया से मिलने के ढंग) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें।
>
> 26 नव॰ 2027, 18:44 → 1 जन॰ 2028, 00:00

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं।

1 जन॰ 2027, 00:00 → 3 जून 2027, 05:28

शनि: आठवें भाव (आयु, अचानक बदलाव, गुप्त बातों, शोध और विरासत) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं।

3 जून 2027, 05:28 → 20 अक्टू॰ 2027, 07:12

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं।

20 अक्टू॰ 2027, 07:12 → 1 जन॰ 2028, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें।

1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना।

1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

महीनेवार सुझाव

जनवरी 2027

गुरु: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 25 जन॰ 2027, 01:31

गुरु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 25 जन॰ 2027, 01:31 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

फ़रवरी 2027

गुरु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

मार्च 2027

गुरु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

अप्रैल 2027

गुरु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

मई 2027

गुरु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

जून 2027

गुरु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 जून 2027, 00:00 → 26 जून 2027, 05:19

गुरु: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 26 जून 2027, 05:19 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 जून 2027, 00:00 → 3 जून 2027, 05:28

शनि: आठवें भाव (आयु, अचानक बदलाव, गुप्त बातों, शोध और विरासत) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 3 जून 2027, 05:28 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 जून 2027, 00:00 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 जून 2027, 00:00 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

जुलाई 2027

गुरु: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

शनि: आठवें भाव (आयु, अचानक बदलाव, गुप्त बातों, शोध और विरासत) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

अगस्त 2027

गुरु: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

शनि: आठवें भाव (आयु, अचानक बदलाव, गुप्त बातों, शोध और विरासत) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

सितंबर 2027

गुरु: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

शनि: आठवें भाव (आयु, अचानक बदलाव, गुप्त बातों, शोध और विरासत) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

अक्टूबर 2027

गुरु: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 1 नव॰ 2027, 00:00

शनि: आठवें भाव (आयु, अचानक बदलाव, गुप्त बातों, शोध और विरासत) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 20 अक्टू॰ 2027, 07:12

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 20 अक्टू॰ 2027, 07:12 → 1 नव॰ 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 1 नव॰ 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 1 नव॰ 2027, 00:00

नवंबर 2027

गुरु: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 26 नव॰ 2027, 18:44

गुरु: पहले भाव (आपके शरीर, स्वभाव और दुनिया से मिलने के ढंग) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 26 नव॰ 2027, 18:44 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

दिसंबर 2027

गुरु: पहले भाव (आपके शरीर, स्वभाव और दुनिया से मिलने के ढंग) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

शनि: सातवें भाव (विवाह, साझेदारी और लोगों से व्यवहार) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

राहु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

केतु: ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं) — अंतर्दृष्टि, शोध और जो पूरा हो चुका उसे छोड़ना। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

2027 के ग्रहण

वलयाकार सूर्य ग्रहण — पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य)

6 फ़र॰ 2027, 21:29

उपच्छाया चंद्र ग्रहण — बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष)

21 फ़र॰ 2027, 04:42

उपच्छाया चंद्र ग्रहण — पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य)

18 जुल॰ 2027, 21:33

पूर्ण सूर्य ग्रहण — ग्यारहवें भाव (आय, लाभ, बड़े भाई-बहन, मित्रों और पूरी होने वाली इच्छाओं)

2 अग॰ 2027, 15:36

उपच्छाया चंद्र ग्रहण — पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य)

17 अग॰ 2027, 12:43

ये विश्वव्यापी अधिकतम के समय हैं; भारत या आपके शहर में दिखाई देना अलग गणना है। सूर्य ग्रहण में सूर्य का और चंद्र ग्रहण में चंद्रमा का भाव दिखाया गया है। ग्रहण किसी अनिष्ट की गारंटी नहीं है; सामान्य योजनाएँ डर के आधार पर न बदलें।

गणना और सीमाएँ

यह सामान्य चंद्र राशिफल है, व्यक्तिगत भविष्यवाणी नहीं। लाहिरी अयनांश, पूर्ण राशि भाव और माध्य राहु–केतु; शुभ भाव शास्त्रीय गोचर नियमों से, वेध लागू नहीं। सामग्री उन्नत iAstroGuru इंजन द्वारा निश्चित शास्त्रीय नियमों से गणना की गई है और बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से गुज़रती है। आपकी जन्म कुंडली और दशा से फल अलग हो सकता है। समय भारतीय मानक समय में हैं; भाव बदलने का समय लगभग एक मिनट तक की गणना है।

अपनी कुंडली से पूरा 2027

राशिफल हर उस व्यक्ति के लिए एक जैसा है जिसकी चंद्र राशि आपकी है। संपूर्ण वार्षिक रिपोर्ट 2027 आपकी अपनी जन्म कुंडली से पूरा वर्ष पढ़ती है: दशाएँ, वर्षफल, गोचर, ग्रहण, जीवन का हर क्षेत्र और जनवरी से दिसंबर तक हर महीना।



iastroguru.com/hi/reports/annual-report-2027

मुफ़्त कुंडली, दैनिक राशिफल और पंचांग: **iastroguru.com/hi**